****ब्राहमण जीवन***

ऊँच कोटि का वर्ण है ब्राह्मण....
मुख वंशावली होते सच्चे -ब्राह्मण...
कर्म श्रेष्ठ धर्म श्रेष्ठ उतम उनका ज्ञान...
संगम पर होता उनका अलोकिक जन्म...
ब्रह्मा की वो संतान ब्रह्मा कुमार- कुमारी ...
कहलाते ब्रह्मचर्य का पालन करते....
देवताओं से भी ऊपर उनका नाम....
ब्राह्मण सो फरिश्ता सो देवता बनते....
करते ज्ञान गुणों शक्तियों से श्रंगार....
ब्रह्मा ही विष्णु बनता विष्णु फिर ब्रह्मा...
चक्र सृष्टि का फिरता रहता हुबहू हर कल्प बाद...
अलंकार ज्ञान गदा शंख कमल है ...
उनकी सम्पन्न सम्पूर्ण होने की पहचान....
ईश्वर कुल का भाती बन फिर देव कुल में

जाता...
संगम पर इश्वरीय मत पर चल...
भविष्य फल प्राप्त कर सद्गति को पाता...
इश्वरीय शक्तियाँ का मालिक बन इठलाता...
सर्व प्राप्तियों का वो अधिकारी...
सदा हर्षित मुख हो मुस्कराता...
विजय जन्म सिद्ध अधिकार उसका...दृढ़
संकल्प धारी हो मायाजीत
बन जाता...
वरदानों से उसकी होती पालना...
प्रभु प्रिय बन सदा दिल तख़्त पर विराजता...
प्रसन्नचित हो जीवन अपना वो महकाता...
बालक सो मालिकपन के नशे में वो रहता...
परमानन्द सुख,अत्ति इंद्रियों के झूले झूलता...
परिस्थितियों से न कभी घबराता...
अचल अडोल हो खेल खेल में...

हर दृश्य को मनोरंजन समझ...
पार उसे सहज कर जाता...
भगवान् सदा उसका साथी रहता...
श्रीमत का हाथ रहता सदा साथ ...
बेफिक्री का ताज पहने वो रहता...
बेहद को वैरागी पर राजऋषि कहलाता...
पवित्रता का अधिकारी राजयोगी कहलाता...
जन्म उसका अनमोल है शास्त्रों में गाया जाता...
दुर्लभ जीवन संगम का यह कोटो में कोई को मिल पाता....
कर ले जो सफल जीवन विश्व महाराजन का टाईटल उसे मिल जाता ....

ॐ शांति....